स्थापित –1914 105 वर्षों से जन सेवा में तत्पर

"सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः" अर्थात् सभी जीव सुखी व निरोगी रहें।

भगवान धन्वन्तरि

संसार का प्रत्येक जीव परस्पर एक दूसरे के उपकार के लिये हैं, विनाश के लिये नहीं। जितना हमें अपने संरक्षण का अधिकार है उतना ही दूसरे को भी। दूसरे के दुःख में सहानभूति रखना दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझना आत्म विकास की स्थित है किसी भी देहदारी का अपमान करना ईश्वर का अपमान करना है।

BONAFIDE PATIENTS ONLY

आरोग्यता की कुंजी

हम आप के लिए

की सदैव कामना करते हैं।

रजिस्टर्ड रत्नाकर औषधालय, इटावा द्वारा निर्मित औषधियों का परिचय व चिकित्सा

आयुर्वेदाचार्य
श्री छोटेलाल जैन वैद्य

राजवैद्य भूपेन्द्र कुमार जैन

रजि. रत्नाकर औषधालय
सब्जी मण्डी (पक्की सराय)
इटावा – 206 001 (उ0 प्र0)
मो0 : 9412170449, 8630774379
E-mail : jainvaidya@gmail.com
Whatsapp : 9412170449

Prepared For : Bonafide Patients Only
Not For Commercial Sale

मुफ्त परामर्श

आपको जानकर हर्ष होगा कि हमारा औषधालय सन् 1914 (लगभग 105 वर्षों से ऊपर) से आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों से निर्मित दवाओं के द्वारा इलाज किया जा रहा है । अब तक लाखों रोगी हमारी जड़ी–बूटियों से स्वस्थ हो चुके हैं । आप या आपके मित्र या आपके सम्बन्धी स्त्री–पुरुष किसी भी कठिन से कठिन रोग से पीड़ित हों, अनेक जगह इलाज करा चुके हों, आराम न मिला हो । हम आपको कुछ दवाओं का विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं । इसके अतिरिक्त हमारे औषधालय में अन्य सभी रोगों का इलाज अपने घर पर रहकर ही करा सकते हैं। इसके लिये आपको अपनी सभी तकलीफ हमारे whatsapp No. 9412170449 पर लिखकर भेजनी होगी, यदि कोई जाँच कराई है, उसकी भी रिपोर्ट की फोटो भेज दें, उसके बाद राजवैद्य जी से परामर्श करके आपके whatsapp No. पर ही मुफ्त सलाह भेज दी जायेगी । हाल लिखने में यदि असमर्थ हैं तो साथ में रोगी जाँच फार्म है उसे भरकर भेज सकते हैं । यदि फिर भी कोई शंका हो तो दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक मोबइल नं0 8630774379 पर बात कर सकते हैं ।

आपका शुभेच्छु

राजवैद्य भूपेन्द्र कुमार जैन

राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली

में आयुर्वेद प्रेमी भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद के साथ रजि. रत्नाकर औषधालय, इटावा के संस्थापक स्वर्णपदक प्राप्त चिकित्सा चूणामणि आयुर्वेदाचार्य छोटेलाल जैन वैद्य से भेंट करते समय का चित्र ।

स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए

आयुर्वेद प्रेमी तत्कालीन जिलाधीश श्री चन्द्र मोहन निगम द्वारा रजि. रत्नाकर औषधालय की दवाओं की उत्तमता के उपलक्ष में चिकित्सा चूणामणि आयुर्वेदाचार्य श्री छोटेलाल जैन वैद्य को स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए ।

दवा मंगाने के नियम

1. रोगी अपना पूरा हाल लिखकर मुफ्त परामर्श से संतुष्ट हो जाये तभी दवा भेजी जाती है । सारा विवरण **Whatsapp** पर भेजना होगा ।
2. दवायें पोस्ट ऑफिस द्वारा भेजी जाती हैं ।
3. दवा मंगाने वाले रोगी को अपना नाम , ग्राम , पोस्ट , जिला , पिनकोड आदि पूरा पता हिन्दी या अंग्रेजी में **Whatsapp** पर भेजना होता है ।
4. डाक खर्च दवा के मूल्य के अलावा लिया जाता है ।
5. दवा के मूल्य का पेमेन्ट हमारे खाता सं0 30401241303 किशोर कुमार जैन स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया मुख्य शाखा इटावा **IFSC:SBIN0000636** में एडंवास डाल सकते हैं । (एडवांस वाले रोगी को डाक खर्च माफ रहेगा)
6. जो ग्राहक दवा के मूल्य का पेमेन्ट एडवांस न करना चाहें तो वह दवा छुड़ाते समय डाकिया को भुगतान करके दवा प्राप्त कर सकते हैं परन्तु बाद में पेमेन्ट करने पर डाक खर्च मरीज को ही देना होगा ।
7. न्याय सम्बन्धी सभी विवाद इटावा न्यायालय में ही तय होंगे ।

नोट : हमारे यहाँ सभी रोगों की दवायें हर समय तैयार रहती हैं , रोगी का पूरा हाल आने पर स्पेशल दवायें बनाकर भेजने की भी व्यवस्था है कृपया एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें ।

ग्राहकों को गोल्डन परामर्श

आप या आपके मित्र या आपके सम्बन्धी स्त्री–पुरुष किसी भी कठिन से कठिन रोग से पीड़ित हों अनेक जगह इलाज करा चुके हों , आराम न मिला हो तो आप अपनी बीमारी का पूरा हाल वाट्सएप द्वारा बतायें । यदि आप अपना हाल लिखने में असमर्थ हों तो सूची पत्र के पीछे छपे रोगी जाँच फार्म को भरकर वाट्सएप द्वारा भेज दें । हम उसे पढ़कर सुचारू रूप से आपको वी.पी.पी. द्वारा दवायें भेज देंगे जिससे आपका रोग जड़ से ठीक हो जायेगा । रोग लिखते समय किसी भी बात को छुपाना नहीं चाहिये ।

निवेदक - राजवैद्य भूपेन्द्र कुमार जैन
किशोर कुमार जैन वैद्य

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

ऊर्जा का आयुर्वेदिक शक्तिशाली स्रोत

कामराज गोल्ड कैप्सूल

यदि ताजा वीर्य के शुक्राणु संयुक्त सूक्ष्मदर्शी से देखा जाए तो उनमें बड़ी तेजी से दौड़ते फिरते करोड़ों शुक्राणु दिखाई देंगे । यही शुक्राणु जो कीड़े से दिखाई देते हैं, संतान पैदा करते हैं । इनके शरीर के दो भाग होते हैं–एक भाग सिर और दूसरा भाग पूंछ । इनकी लम्बाई 1/7000 इंच के लगभग होती है और इनकी चाल सर्प की भांति टेढ़ी होती है । स्वस्थ शुक्राणु तीव्र गति से मछली की तरह वीर्य में तैरते दिखायी पड़ते हैं तथा कमजोर शुक्राणु की गति अत्यधिक सुस्त होती है । कई पुरुषों को कोई रोग नहीं होता । संभोग की क्रिया भी पूर्ण होती है । इन्द्रिय में उत्तेजना और तनाव भी ठीक होता है किन्तु उनके वीर्य में संतान उत्पन्न करने वाले शुक्राणु बिल्कुल नहीं होते या बहुत कम संख्या में कमजोर कम गति से चलने वाले होते हैं, जिससे पुरूष संतान पैदा करने योग्य नहीं रहता अथवा संतान कमजोर या अस्वस्थ पैदा होती है । इस कैप्सूल के सेवन से स्वस्थ वीर्य का निर्माण होकर स्वस्थ कांतिवान संतान पैदा होती है। इस कैप्सूल को स्वस्थ व्यक्ति भी सेवन कर सकता है। (30 कैप्सूल का पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट)। डाक व्यय अलग ।

सेवन विधि : 1–1 कैप्सूल सुबह–शाम भोजन के बाद दूध के साथ सेवन करना चाहिये।

स्तम्भन – शक्तिवर्द्धक रसायन

कामराज फोर्ट

बड़े परिश्रम व खोज के पश्चात् इन गोलियों का निर्माण अपूर्व आनन्द के लिये आविष्कृत किया गया है । यह औषधि संभोग से कुछ समय पूर्व खाने से ही वीर्य रोकने की अपूर्व शक्ति रखती है । यह दवा वीर्य में शुक्राणुओं को बढ़ाती है तथा संभोग के समय स्त्री के आनन्द को उच्चतम शिखर पर पहुंचने से पूर्व ही वीर्यपात होना, संभोग क्रिया के पूर्व ही स्खलित होना, किसी स्त्री से बातें करना, स्पर्श करना या चुम्मन के साथ ही वीर्यपात होना, लिंगेन्द्रिय की शिथिलता में ही स्खलित होना आदि से छुटकारा पाने के लिये कामराज फोर्ट नियमित पूरा कोर्स सेवन करने से हष्ट–पुष्ट और संतानोत्पत्ति के योग्य बनाती है । स्थायी लाभ के लिए एक–एक गोली सुबह शाम दूध से लें । (30 गोली का पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

कांतिवर्धक विटामिनों से भरपूर

कामराज चूर्ण

पेशाब या पाखाना के साथ वीर्य निकलने को प्रमेह या धातु का जाना कहते हैं, शुरू–शुरू में पाखाने के समय थोड़ा सा जोर लगाने से वीर्य निकल जाता है, धीरे–धीरे पेशाब करने से पहले या बाद में वीर्य निकलने लगता है, पहले तो पेशाब के साथ वीर्य निकलना महसूस भी किया जा सकता है, लेकिन जब रोग बढ़ जाता है तो वीर्य पानी की तरह पतला हो जाता है और पेशाब के साथ निकलने का पता भी नहीं चलता है । किसी किसी का वीर्य पसीने के साथ निकल जाता है, जिसकी पहचान रोगी के शरीर से गंधपन की बदबू आने से होती है तथा उसके बिस्तरों और कपड़ों पर मक्खियाँ लगने लगती हैं ।

इस रोग के हो जाने पर रोगी के संभोग की इच्छा होते हुए भी यह स्त्री से संभोग करने का साहस नहीं कर पाता, अच्छे से अच्छा भोजन खाने के बाबजूद रोगी दिन प्रतिदिन कमजोर होता जाता है और धीरे–धीरे अपना यौवन खो बैठता है, इस दवा के सेवन से धातु सम्बन्धी सभी शिकायतें तथा 20 प्रकार के प्रमेहों का जड़मूल नाश होता है । (100 ग्राम का डिब्बा पूरा कोर्स 6 डिब्बा) डाक व्यय अलग । सेवन विधि : 3–3 ग्राम दवा सुबह–शाम भोजन के बाद दूध के साथ सेवन करना चाहिये ।

नपुंसकता (नामर्दी) के लिये लाजवाब

कामराज तिला

बचपन की कुचालों, हस्तमैथुन, वृद्धावस्था के कारण या रजस्वला (मासिक धर्म) वाली स्त्री के साथ समागम करने से इंद्री अत्यन्त ढ़ीली हो जाती है और उस पर नसें उभर आतीं है तथा इंद्री कमजोर रूई सी मुलायम व छोटे बच्चों की तरह निर्जीव हो जाती है, उसके कारण इंद्रीय में खून का दौरान कमजोर पड़ जाता है तथा स्त्री भोग की इच्छा होते हुए भी इंद्रीय में तनाव नहीं आता और यदि पुरूष बहुत कोशिश से इंद्रीय में थोड़ा तनाव लाता है तो शीघ्र ही स्खलित हो जाता है कामराज तिला लगाने से ही इंद्रीय के जहरीले असर को चूस लेता है और नसों में भरे हुए खराब वादी के पानी को पसीने आदि के द्वारा निकाल डालता है, टेढ़ी नसों को ठीक कर ताकत पैदा करता है पुनः जवानी प्राप्त करने की इच्छा रखने वाले पुरूष इसके साथ एक बार पूरा कोर्स कामराज गोल्ड कैप्सूल व कामराज फोर्ट तथा कामराज चूर्ण का सेवन कर जवानी प्राप्त करने में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। 4–4 बूँद तिला सुबह व रात्रि को इंद्रीय का अगला भाग छोड़कर इंद्रीय पर धीरे–धीरे अंगुली से 2 मिनट तक मलना चाहिये । (7 मि.लि. की शीशी 6 शीशी का पूरा कोर्स) डाक व्यय अलग ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

थकान, कमजोरी समय से पहले बुढ़ापा, शक्ति व स्फूर्ति के लिये

हनीमून कैप्सूल

स्त्री भोग की इच्छा होते हुये भी इन्द्री में तनाव नहीं आता है । यदि पुरूष बहुत कोशिश में बहुत उत्तेजना लाता भी है तो संभोग के समय तुरन्त उसका वीर्य निकल जाता है । इस रोग में विवाहित जीवन बिल्कुल नष्ट हो जाता है । यदि कोई पुरूष रति क्रिया में स्त्री को पूर्ण रूप से तसल्ली न कर सके तो उसे नंपुसकता कहते हैं । रति क्रिया में स्त्री की संतुष्टि हुये बिना वीर्यपात हो जाना तथा आखिर में उत्तेजना का बिल्कुल ही न होना ये नपुंसकता की पहचान है । नपुंसकता का सबसे बड़ा कारण है अत्यधिक हस्त मैथुन व अत्यधिक संभोग । इसके सेवन से नंपुसकता दूर होकर नवीन रक्त (वीर्य) का संचार करके संतानोत्पत्ति के योग्य बनाता है । तुरन्त संभोग कि लिये 30 मिनट पूर्व एक कैप्सूल दूध के साथ सेवन करना चाहिये । (10 कैप्सूल का पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग । इस कैप्सूल का 3 दिन में एक बार ही सेवन करना चाहिये ।

हृदय में रक्त प्रवाह नियमित करने के लिये

हृदय पौष्टिक चूर्ण

कभी–कभी छाती के अग्र भाग में दिल की जगह पर ऐंठन और दम घुटने जैसा दर्द होता है, इसे एंजाइना कहते हैं । ऐसा प्रायः हृदय के उस हिस्से में रूधिर प्रवाह बाधित हो जाने के कारण होता है । प्रायः कोरोनरी धमनी में इंटिमा सतह पर एक थक्का सा जम जाता है जिस कारण रक्त प्रवाह बाधित हो जाता है ।

हृदय में रूधिर प्रवाह बाधित होने अथवा ऑक्सीजन की कमी होने की स्थिति में उस हिस्से में, जिसमें यह कमी अधिक, (रक्त एवं ऑक्सीजन की कमी) वहाँ की कोशिकायें मृत हो सकती हैं और फिर हृदय का उतना हिस्सा काम करना बन्द कर देता है । इस कारण शरीर में तमाम जटिलतायें पैदा हो सकती हैं । अन्य अंगों में भी रक्त प्रवाह कम हो जाता है । इसलिये दिल का दौरा पड़ना अत्यन्त घातक होता है । एक स्थिति ऐसी आती है कि हृदय के लगभग सम्पूर्ण भाग की कोशिकायें प्रभावित हो जाती हैं और प्रायः रोगी की मृत्यु हो जाती है । इसके उपचार की तीन अवस्थायें होती हैं, एक तो बीमारी की तीव्रता का उचित मूल्यांकन एवं इसके आगे बढ़ने की संभावना का पता लगाना । दूसरा लक्षणों को काबू करने के उपाय और तीसरा ऐसे उपाय करना जिनसे जीवन आयु बढ़ जाये । हृदय पौष्टिक चूर्ण को आजमायश करके तैयार किया गया है, यह चूर्ण दिल का रोग न होने पर भी सेवन किया जा सकता है । इसके पूर्व सेवन करने से दिल का रोगी होने की संभावनायें समाप्त हो जाती हैं । 3–3 ग्राम दवा सुबह शाम दूध के साथ सेवन करना चाहिये । (100 ग्राम का एक डिब्बा पूरा कोर्स 6 डिब्बा) डाक व्यय अलग ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

स्पेशल च्यवन कैप्सूल

महर्षि च्यवन द्वारा आविष्कृत च्यवनप्राश अवलेह को आज कौन नहीं जानता ? पुरातन समय की औषधि को आज भी सभी दवा कम्पनियाँ आधुनिक तरीके से निर्माण करवा कर जोर शोर से प्रचार में लगी है । आयुर्वेद के ग्रंथ चरक संहिता में इसका मूल पाठ है । अन्य ग्रंथों में भी इसके निर्माण की विधि का उल्लेख है । यह उत्तम टॉनिक होने के साथ–साथ अनेक रोगों में संजीवनी का भी काम करता है । आश्चर्यजनक रूप से लाभ पहुंचाते हुए बल एवं कांति की श्रीवृद्धि करता है ।

यह औषधि उत्तम शक्ति प्रदान करने वाली है । यह पाचन संस्थान, श्वांस संस्थान, हृदय, मस्तिष्क, रक्त वाहिनियों, वात वाहिनियों, मूत्र संस्थान, जननेंद्रिय आदि को शक्ति प्रदान करता है । यह उत्सर्जक इंद्रियों को सबल बनाकर आवश्यक शोधन कार्य भी करता है जिससे शरीर की क्रिया सही प्रकार चलने लगती है । यह क्षय (टी.वी.), उराक्षत, शोथ, हृदय रोग, स्वर भंग, निर्बलता, कास, श्वांस, प्यास, बातरक्त, नेत्र रोग, मूत्र दोष, वीर्य के दोष तथा बात, पित्त और कफ के रोगों में हितकर है । बालक, गर्भवती स्त्री, वृद्ध, क्षत क्षीण सबके लिये लाभदायक है । बल, वीर्य स्मृति और कांति को बढ़ाता है । यह किसी भी रोग से उत्पन्न निर्बलता दूर कर जीवन शक्ति को बहुत जल्दी बढ़ा देता है इसीलिये इसे जीवन भी कहते हैं ।

यह औषधि उत्तम शक्तिप्रद, कांतिवर्द्धक, बाजीकर, दीपन पाचन, पित्तप्रकोप, शामक, सारक, मूत्रजन, रुचिकर तथा चर्म रोग नाशक है । यह औषधि अधिक आयु वाले निरोगी मनुष्यों को रसायन गुण दर्शाता है । आंतों में मल संग्रह होने पर विविध रोगों की सृष्टि का आविर्भाव होता है । रक्त विकार, कुष्ठ, त्वचा शुष्क और काली हो जाना, सिर दर्द, नेत्र रोग, उदर कृमि, अरुचि, अग्निमांध, ज्वर रहना, प्रतिश्याम, श्वांस, कास, उदरवात, पाण्डु शोथ आदि अनेक रोगों का मूल संग्रह है । समय से पूर्व वृद्धावस्था, मानसिक वृत्तियाँ का ह्रास और नंपुसकता आने पर स्पेशल च्यवन कैप्सूल का नियमित सेवन 3 माह तक कराना चाहिये । महर्षि च्यवन ने इसी रसायन का प्रयोग करके वृद्धावस्था से युवावस्था प्राप्त की थी ।

इस फार्मूले को ध्यान में रखते हुए आयुवेर्दिक तरीके से जाँच कर परखकर इस कैप्सूल का निर्माण किया गया है । इस कैप्सूल के सेवन से समस्त कमियाँ दूर होकर नया जीवन प्राप्त होता है । बड़ों को दो–दो कैप्सूल व छोटों को एक–एक कैप्सूल सुबह शाम भोजन से पूर्व दूध के साथ सेवन करना चाहिये । (60 कैप्सूल का एक पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

मधुमेह के लिये लाजबाब

डायबिटीज चूर्ण

इस चूर्ण के सेवन से मधुमेह (डायबिटीज) पर कन्ट्रोल हो जाता है । यह चूर्ण मधुमेह के मरीजों के लिये खास तौर पर तैयार किया गया है । जो मरीज भोजन में परहेज और कसरत से नियन्त्रण न पा सके हों तो इसके सेवन से अरोग्य हो जाते हैं। इन्सुलिन लेने वाले या मधुमेह की अन्य दवायें सेवन करने वाले लोग भी इस दवा का सेवन कर लाभ उठा सकते हैं । इस दवा के साथ पीछे रेट लिस्ट में दर्शाया गया स्पेशल बसन्त कुसुमाकर रस व मधुहारी चूर्ण भी सेवन कर सकते हैं । सेवन विधि 3–3 ग्राम चूर्ण भोजन करने के बाद सुबह शाम ताजे जल के साथ सेवन करना चाहिये। (100 ग्राम का एक पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग ।

स्त्रियों के समस्त विकारों को दूर कर नवजीवन प्रदान करने वाली प्रदर रोग नाशक स्पेशल दवा

अमृत सुन्दरी

सफेद या लाल पानी का स्राव योनि मार्ग से आता है । कभी–कभी यह स्राव पीला, हरा, दुर्गन्धयुक्त, जलन युक्त भी निकलता है, रोगिनी पीली पड़ जाती है, हाथ पैरों में जलन, चक्कर आना, मूर्छा आदि रोग हो जाते हैं । यह आयुर्वेद शास्त्रों में स्त्री रोग के अनेक प्रकार की सर्वोत्तम लाभकारी औषधियों के मिश्रण से तैयार की गयी है । यह दवा अनेक प्रकार के स्त्री रोगों में फायदा करती है और इसके सेवन से कमजोर शरीर को पुष्ट एवं सुन्दर बनाती है । इसके सेवन से कमजोरी, खांसी, आंखों के सामने अंधेरा छा जाना, चक्कर आना, हाथ पैरों के तलबों में जलन मचना, पेट दर्द, सिर भारी रहना, कमर में पीड़ा होना, खून की कमी, प्यास अधिक लगना, सुस्त रहना, किसी काम में मन न लगना तथा हर प्रकार के प्रदर विकार इस दवा से दूर होते हैं । इसके सेवन से स्त्रियों को नवजीवन प्राप्त होता है । पूर्णयता फायदे के लिये 6 डिब्बा पूरा कोर्स सेवन करना चाहिये । अमृत सुन्दरी हर प्रकार के प्रदर को आराम करके महिलाओं को स्वस्थ, सौन्दर्यदायक व पुत्रवती बनाती है । सुबह शाम 3–3 ग्राम दवा मीठे ठन्डे दूध या पानी के साथ लेना चाहिये । यदि रोग पुराना अथवा अत्यधिक हो तो इसके साथ–साथ एनर्जिक पावडर का सेवन भी करना चाहिये । (100 ग्राम का डिब्बा पूरा कोर्स 6 डिब्बा) डाक व्यय अलग ।

नोट :– मासिक काल के समय 3 दिन तक सेवन नहीं करना चाहिये ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

एसिडिटी पिल्स

इस पिल्स के सेवन से मुँह से खट्टा पानी आना, छाती एवं पेट में जलन होना खट्टी डकार आना, मुँह में नमक का तेजाब आना आदि शिकायत होती है । ऐसे रोगियों को अपना इलाज तुरन्त कराना चाहिये । थोड़ा सा आलस करने पर पेट में बनने वाले एसिड से अल्सर एवं जान लेवा कैंसर जैसा रोग बनने का भय बना रहता है। ऐसे रोगियों को गर्म वस्तुयें जैसे अंग्रेजी दवायें, शराब, चाय, काफी, गर्म भोजन, मीट, अन्डा, मिर्च–मसाले, अफीम, नमक आदि चीजों का परहेज करना चाहिये एवं प्रति एक घंटा बाद थोड़ा सा पानी अवश्य पीना चाहिये । सेवन विधि : 2–2 गोली सुबह शाम भोजन के पश्चात जल के साथ सेवन करना चाहिये। शीघ्र लाभ के लिये इसके साथ सिल्वर स्ट्रांग पावडर भी सेवन करना चाहिये । (60 गोली की डिब्बी पूरा कोर्स 6 डिब्बी) डाक व्यय अलग ।

संकोचन तैल

इस तैल को साफ रूई में भिगोकर रात्रि को सोते समय योनि में रखना चाहिये एवं सुबह निकाल कर फैंक देना चाहिये । इस तैल को योनि में रखने से स्त्रियों का गुप्तांग कड़ा हो जाता है । सुहागरात सा आनन्द आता है एवं स्त्रियों का बाँझपन भी दूर हो जाता है तथा जिन स्त्रियों की योनि बाहर निकलती है उसमें भी लाभदायक है । इस तैल के साथ संकोचन पिल्स प्रयोग करने से शीघ्र लाभ मिलता है । (30 मि.लि. की शीशी पूरा कोर्स 6 शीशी) डाक व्यय अलग ।

संकोचन पिल्स

संकोचन तैल लगाने के साथ संकोचन पिल्स प्रयोग करने से योनि के समस्त रोगों में शीघ्र लाभ प्राप्त होता है ।

सेवन विधि : 1–1 गोली सुबह शाम दूध या जल के साथ सेवन करना चाहिये । (30 गोली का पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

समस्त पेट विकार व हाजमे की प्रसिद्ध दवा

गैसान्तक चूर्ण

गैसान्तक चूर्ण के सेवन से बदहजमी खट्टी डकारों का आना पेट में हर तरह का दर्द, गैस, पेट फूलना, भूख का कम लगना, दस्त साफ न होना, वायु गोला, वादी का दर्द, तिल्ली, जी मिचलाना आदि को दूर कर पाचन क्रिया को सुधारता है । यह चूर्ण मदिरा सेवन करने वालों के लिए भी लाभदायक है । इसके सेवन से उनकी आंतों में खराबी नहीं आती तथा भूख बढ़ाकर पाचन क्रिया को सुधारता है । डेढ़–डेढ़ ग्राम चूर्ण भोजन के बाद सुबह शाम जल से सेवन करें । (50 ग्राम का डिब्बा पूरा कोर्स 6 डिब्बा) डाक व्यय अलग ।

एनर्जिक पावडर

एनर्जिक पाउडर से शरीर का पीलापन, मगज का चक्कर आना, हाथ पैरों में जलन मचना, उठते बैठते आँखों के सामने अंधेरा छा जाना, आँतों में सूजन होना, दस्त साफ न होना, किसी काम में मन न लगना, सुस्त रहना, शरीर पीला पड़ जाना, बदन में सुस्ती, चेहरे की खुश्की, मन मलिन रहना, हाथ पैरों में टूटन, दिल धक–धक करना, जवानी में बुढ़ापे जैसी हालत होना आदि तमाम खराबियाँ दूर होती हैं । पूरा कोर्स लगातार सेवन करने से पूर्ण आरोग्यता प्राप्त होती है । यह जितना पुरूषों के लिये लाभकारी है । उतना ही स्त्रियों के लिये भी गुणकारी साबित हुआ है । 3–3 ग्राम दवा सुबह शाम दूध या पानी के साथ सेवन करना चाहिये । (100 ग्राम का डिब्बा पूरा कोर्स 6 डिब्बा) डाक व्यय अलग ।

नोट - गर्भवती महिलाएं सेवन न करें ।

बवासीर की दवा

बवासीर दो प्रकार की होती है । खूनी अथवा वादी । बवासीर वाले मरीज की गुदा में मस्से हो जाते हैं । जिससे पखाना साफ नहीं होता है और वेदना भी होती है तथा अनेक मरीजों को दस्त के साथ खून भी आने लगता है । इन गोलियों के लगातार सेवन से पुरानी से पुरानी बवासीर ठीक हो जाती है । एक–एक गोली सुबह शाम ताजे जल के साथ सेवन करना चाहिये । 30 गोलियों का पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

बवासीर का मरहम

यह मरहम सूखे पाउडर के रूप में होता है । इसे खूनी बवासीर में दही में मिलाकर तथा वादी बवासीर में घी में मिलाकर मस्सों पर लगाना चाहिये । 10 ग्राम की डिब्बी पूरा कोर्स 6 डिब्बी) डाक व्यय अलग ।

शरीर में सफेद दाग (कोढ़) के लिये

श्वेत कुष्ठ की दवा

वास्तव में यह बहुत कठिन रोग है । इस रोग में जगह–जगह बदन पर सफेद दाग हो जाते हैं और दिन पर दिन और फैलते जाते हैं । दाग–बातज, पित्तज, कफज, तीन तरह के होते हैं । बातज के दाग बीच में सफेदी व किनारे पर लाल व सूखे होते हैं। पित्तज के दाग ताम्र के समान लाल जलन करने वाले व रिसने वाले होते हैं । कफज के दाग चिपकाने वाले श्वेत होते हैं । किसी–किसी दागों में खुजली मचती है । जिसका असर, खून, मांस, हड्डियों तक पहुँचता है । उस जगह के बाल सफेद व किसी – किसी के बाल तक उड़ जाते हैं । इस दुष्ट रोग से छुटकारा पाने के लिये इस दवा का नवीन अविष्कार किया गया है । इस दवा के तीन महीने लगातार सेवन करने से तमाम विकार नष्ट हो जाते हैं । 1–1 गोली सुबह शाम दूध या पानी से लें । शीघ्र व रोग को जड़ से समाप्त करने लिये इसके साथ पीछे रेट लिस्ट में दर्शाया गया रक्त शोधक कैप्सूल, सारसा की गोलियाँ, रक्त शोधक गोलियाँ, रक्त शोधक रसायन भी सेवन करना चाहिये । (30 गोली की डिब्बी पूरा कोर्स 6 डिब्बी) डाक व्यय अलग ।

श्वेत कुष्ठ का मरहम

उपरोक्त दवाओं के खाने तथा दागों पर इस मरहम के लगाने से बहुत जल्द फायदा होता है । इस मरहम को ओंठ व आँखों पर नहीं लगाना चाहिये । (पूरा कोर्स 6 डिब्बी) डाक व्यय अलग । (इस मरहम को सरसों के तेल में मिलाकर लगाना चाहिये ।)

सफेद दाग का तैल

इस तैल को एक टाइम दागों पर लगाना चाहिये तथा एक टाइम श्वेत कुष्ठ का मरहम लगाना चाहिये । जिससे शीघ्र लाभ प्राप्त होता है । (7 मि. लि. की शीशी पूरा कोर्स 6 शीशी) डाक व्यय अलग ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

लकवा की दवा

यह दवा लकवा के रोगियों के लिये अत्यन्त गुणकारी सिद्ध हुई है । इससे शरीर के किसी भी अंग में लकवा मार गया हो या असर (शुरूआत) हो तो उसे यह दवा आराम पहुँचाती है तथा पूर्ण आरोग्यता के लिये पीछे रेट लिस्ट में दर्शाई गई स्पेशल बात चिन्तामणि रस, एकांगवीर रस, महाबातविध्वंसन रस एवं गोल्डन बात हर गोलियाँ भी साथ में सेवन कराने से पूर्णतयः मरीज स्वस्थ हो जाता है । 1–1 गोली सुबह शाम दूध से लें । (30 गोली का पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग ।

पोलियो की दवा

यदि बच्चों के किसी भी अंग में पोलियो मार जाये या शुरुआत हो तो यह गोली रोग से आराम पहुँचाने में सक्षम है तथा पूर्ण आरोग्यता के लिये पीछे रेट लिस्ट में दर्शाई गई गोल्डन बात हर गोलियाँ, स्पेशल बात चिन्तामणि रस, एकांगवीर रस, महाबात विध्वंसन रस भी साथ में सेवन कराने से पूर्णतयाः मरीज स्वस्थ हो जाता है । बच्चों के किसी भी अंग में लचक भी नहीं रहती है । 1–1 गोली सुबह शाम दूध से लें । (30 गोली का पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग ।

लकवा पोलियो का तैल

यह तैल बड़ों को लकवा में बच्चों के पोलियो में सुबह शाम मालिश करना चाहिये। हमारे यहाँ की दवायें सेवन करने एवं तेल लगाने से पुराने से पुराना लकवा पोलियो ठीक हो जाता है । (30 मि.लि. की शीशी पूरा कोर्स 6 शीशी) डाक व्यय अलग ।

सारसा की गोलियाँ

यह गोलियाँ रक्त शुद्धि, आतिश, उपदंश, शरीर में चकत्ते, कोढ़, खाज–खुजली, वैश्या गमन से इंद्री या शरीर में सड़न तथा घृणित रोगों को दूर कर शरीर को सुन्दर बना देता है । 1–1 गोली सुबह शाम दूध या पानी से सेवन करना चाहिये । (30 गोली का एक पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

दर्द हर तैल

यह तैल शरीर में कैसा भी दर्द हो या 80 प्रकार के बात का दर्द आदि के लिये अति उत्तम है । इस तैल को दर्द, चोट, मोच, सूजन आदि के स्थान पर लगाना चाहिये। (कीमत 30 मि.लि. की शीशी पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग ।

श्वांस कुठार रस

कैसा ही नया पुराना दमा क्यों न आता हो, दिन रात बैठे–बैठे नीचे को सिर झुकाये मौत की घड़ियाँ गिनी जातीं हों तो 90 दिन लगातार परहेज से दवा सेवन कर लेने से दमा निर्मूल होकर दमा का रोगी भला चंगा हो जाता है । 1–1 गोली सुबह–शाम लेना चाहिये । कीमत 30 गोली का पैकेट पूरा कोर्स 6 पैकेट) डाक व्यय अलग । इसके साथ स्पे0 च्यवन कैप्सूल भी सेवन करना चाहिये ।

नवीन रक्त वर्धक व एनर्जेटिक

सिल्वर स्ट्रांग पावडर

सिल्वर स्ट्रांग पावडर दिल दिमाग और शारीरिक कमजोरियों के लिये अति उत्तम है । यह खाने में अत्यन्त जायकेदार होता है । इसके अतिरिक्त रक्त की कमी, सिर भन्नाना, चक्कर आना, एसिड बनाना, चिन्ताओं में व्यग्र रहना, बालों का झड़ना, नाड़ियों में रक्त प्रवाह कम हो जाना, शरीर में पोषक तत्व, धातु की कमी तथा रक्त कणों की कमी को पूरा करता है । सिल्वर स्ट्रांग पावडर स्त्रियों के लिये भी गुणकारी है। इसके सेवन से हिस्टीरिया, दिल दिमाग की कमजोरी एवं मानसिक चिन्तायें दूर होती हैं । यह पावडर मानसिक कार्य करने वाले व्यक्ति व छात्र भी सेवन कर लाभ उठा सकते हैं । चाय का 1–1 चम्मच दवा सुबह शाम दूध में घोलकर या वैसे ही मुँह में डालना चाहिये । (100 ग्राम का डिब्बा पूरा कोर्स 6 डिब्बा) डाक व्यय अलग ।

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

रत्नाकर दवाओं की रेट लिस्ट

नाम दवा	वजन या तादाद	फायदा	1 पैकेट का मूल्य	6 पैकेट का मूल्य
कामराज गोल्ड कैप्सूल	30 कैप्सूल	ऊर्जा का आयुर्वेदिक शक्तिशाली स्रोत	600/–	3600/–
कामराज फोर्ट	30 गोलियाँ	स्तम्भन शक्तिवर्धक रसायन	300/–	1800/–
कामराज चूर्ण	100ग्राम(30 खुराक)	कांतिवर्धक विटामिनों से भरपूर	300/–	1800/–
कामराज तिला	7 मि.लि.(एक शीशी)	नपुंसकता (नामर्दी) के लिये	300/–	1800/–
हनीमून कैप्सूल	10 कैप्सूल	तत्काल सेक्स के लिये	1500/–	9000/–
हृदय पौष्टिक चूर्ण	100 ग्राम(30 खुराक)	हृदय में रक्तप्रवाह नियमित करने के लिये	300/–	1800/–
स्पेशल च्यवन कैप्सूल	60 कैप्सूल	जनरल टॉनिक	250/–	1500/–
डायबिटीज चूर्ण	100 ग्राम(30 खुराक)	मधुमेह के लिये	250/–	1500/–
अमृत सुन्दरी	100 ग्राम(30 खुराक)	प्रदर रोग नाशक	300/–	1800/–
एसिडिटी पिल्स	60 गोलियाँ	एसिड की लाजवाब दवा	250/–	1500/–
संकोचन तैल	30 मि.लि.(एक शीशी)	योनि रोगों पर	200/–	1200/–
संकोचन पिल्स	30 गोलियाँ	योनि रोगों के लिए	250/–	1500/–
गैसान्तक चूर्ण	50 ग्राम(30 खुराक)	समस्त पेट विकार व गैस के लिए	150/–	900/–
एनर्जिक पावडर	100 ग्राम(30 खुराक)	एनर्जिक विटामिनों से भरपूर	250/–	1500/–
बवासीर की दवा	30 गोलियाँ	खूनी व बादी बवासीर के लिये	100/–	600/–
बवासीर का मरहम	10 ग्राम पावडर	खूनी व बादी बवासीर के लिये	150/–	900/–
श्वेत कुष्ठ की दवा	30 गोलियाँ	सफेद दाग के लिये	150/–	900/–
श्वेत कुष्ठ का मरहम	1 डिब्बी	सफेद दाग के लिये	150/–	900/–
सफेद दाग का तैल	1 शीशी	सफेद दाग के लिये	100/–	600/–
लकवा की दवा	30 गोलियाँ	लकवा के लिये	150/–	900/–
पोलियो की दवा	30 गोलियाँ	पोलियो के लिये	150/–	900/–
लकवा, पोलियो का तैल	30 मि.लि.(एक शीशी)	लकवा व पोलियो के लिये	150/–	900/–
सारसा की गोलियाँ	30 गोलियाँ	रक्त शुद्धि के लिये	150/–	900/–
दर्द हर तैल	30 मि.लि.(एक शीशी)	दर्द, चोट, मोच, सूजन व बात रोगों पर	100/–	600/–
श्वाँस कुठार रस	30 गोलियाँ	श्वांस रोग के लिये	100/–	600/–
सिल्वर स्ट्रॉग पावडर	100 ग्राम(30 खुराक)	नवीन रक्तवर्द्धक एनर्जेटिक	250/–	1500/–

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

रत्नाकार की अन्य पेटेन्ट दवायें

नाम दवा	वजन या तादाद	फायदा	1 पैकेट का मूल्य	6 पैकेट का मूल्य
स्पेशल सन्मति दीप	30 खुराक	शक्ति वर्धक	150/–	900/–
स्पेशल बसन्त कुसमाकर रस	30 गोलियाँ	मधुमेह व हृदय रोग के लिए	250/–	1500/–
मधुहारी चूर्ण	100 ग्राम(30 खुराक)	डायबिटीज के लिए (30 खुराक)	100/–	600/–
रक्त शोधक कैप्सूल	30 कैप्सूल	रक्त शुद्धि व सफेद दाग के लिए	150/–	900/–
रक्त शोधक गोलियाँ	30 गोलियाँ	रक्त शुद्धि व सफेद दाग के लिए	150/–	900/–
रक्त शोधक रसायन	30 खुराक	रक्त शुद्धि व सफेद दाग के लिए	150/–	900/–
लिवर पिल्स	30 गोलियाँ	लिवर की खराबी के लिए	100/–	600/–
संदल वटी	30 गोलियाँ	पेशाब जलन व रक्त बंद के लिए	150/–	900/–
स्पेशल वात चिन्तामणि रस	30 गोलियाँ	लकवा, पोलियो, बात रोगों पर	150/–	900/–
एकांगवीर रस	30 गोलियाँ	लकवा व पोलियो, बात रोगों पर	150/–	900/–
महा बात विध्वंसन रस	30 गोलियाँ	लकवा, पोलियो व बात रोगों पर	150/–	900/–
पुत्रदाता कैप्सूल	28 कैप्सूल	सन्तान प्राप्ति के लिये	600/–	3600/–
स्तन पावडर	100 ग्राम(30 खुराक)	स्तनों के उभार के लिए	200/–	1200/–
स्तन पिल्स	30 गोली	स्तनों के उभार के लिए	150/–	900/–
स्तन तैल	एक शीशी	स्तनों के उभार के लिए	100/–	600/–
हैल्थ कैप्सूल	60 कैप्सूल	पाचन शक्ति के लिए	200/–	1200/–
मासिक वटी	20 गोली	मासिक धर्म के लिए	150/–	900/–
स्वप्न नाशिनी	30 गोली	सोते समय वीर्य निकलना	150/–	900/–
रक्त रोधक	10 खुराक	रक्त बन्द करने के लिए	100/–	600/–
गोल्डन वात हर गोलियाँ	30 गोली	लकवा, पोलियो व वात रोगों पर	150/–	900/–
वायटिलिटी गोल्ड कैप्सूल	30 कैप्सूल	ऊर्जा का आयुर्वेदिक शक्तिशाली स्रोत	300/–	1800/–
वायटिलिटी फोर्ट	30 गोली	स्तम्भन शक्तिवर्धक रसायन	200/–	1200/–
वायटिलिटी चूर्ण	100ग्राम(30खुराक)	कांतिवर्धक विटामिनों से भरपूर	200/–	1200/–
वायटिलिटी तिला	7 मि.लि.	नपुंसकता(नामर्दी) के लिए लाजबाब	200/–	1200/–
रत्नाकर अमृत केसरी	250 ग्राम	इम्यूनिटी टॉनिक	300/–	1800/–

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

रत्नाकार की अन्य पेटेन्ट दवायें

नाम दवा	वजन या तादाद	फायदा	1 पैकेट का मूल्य	6 पैकेट का मूल्य
सिंह जीवन	250 ग्राम	शक्ति व स्फूर्ति के लिये	200/–	1200/–
ओजस कैप्सूल	30 कैप्सूल	तुष्टि–पुष्टि–संतुष्टि के लिये	200/–	1200/–
ओजस चूर्ण	100ग्राम(30 खुराक)	धातु पुष्ट और प्रमेह के लिये	150/–	900/–
ओजस पिल्स	30 गोलियां	ओजवर्धक विटामिनों से भरपूर	150/–	900/–
ओजस तिला	7 मि.लि.	नपुंसकता, नामर्दी के लिये	150/–	900/–
हाजमेक्स चूर्ण	50ग्राम(30 खुराक)	हाजमे की प्रसिद्ध दवा	100/–	600/–
धातु पौष्टिक चूर्ण	100ग्राम(30खुराक)	धातु पुष्ट, ताकत के लिये	100/–	600/–
गोल्डन प्रभा पिल्स	30 गोलियां	शक्तिदाता महौषधि टॉनिक	100/–	600/–
स्पेशल सुन्दरी सुधा	100ग्राम(30खुराक)	स्त्रियों के प्रदर के लिये	200/–	1200/–
स्पेशल पुत्रदा रसायन	14 खुराक	सन्तान प्राप्ति के लिये	600/–	3600/–
अमृत सुन्दरी कैप्सूल	60 कैप्सूल	स्त्रियों के प्रदर तन्दुरुस्ती के लिये	300/–	1800/–
सुन्दरी सुधा	100ग्राम(30 खुराक)	स्त्रियों के प्रदर के लिये	150/–	900/–
सन्तान निग्रह	7 खुराक	सन्तान बन्द के लिये	200/–	1200/–
सुधा रस	20 खुराक	ऑव, पेचिस, पतले दस्त के लिये	100/–	600/–
पत्थर हजम चूर्ण	50ग्राम(30 खुराक)	समस्त पेट रोगों के लिये	100/–	600/–
सुजाक की दवा	30 गोलियां	सुजाक व पेशाब जलन के लिये	200/–	1200/–
आतिश गर्मी की दवा	30 गोलियां	आतिश गर्मी के लिये	200/–	1200/–
आतिश गर्मी का मरहम	1 डिब्बी	आतिश गर्मी के लिये	200/–	1200/–
अण्ड बृद्धारि वटी	30 गोलियां	बढ़े हुये फोतों के लिये	150/–	900/–
अण्ड बृद्धारि तैल	30 मि.लि.	बढ़े हुये फोतों के लिये	100/–	600/–
घेंघें की दवा	30 गोलियां	घेंघा रोग के लिये	150/–	900/–
घेंघें का मरहम	1 डिब्बी	घेंघा रोग के लिये	100/–	600/–
पीनस की दवा	30 गोलियां	पीनस के लिये	150/–	900/–
पीनस का तैल	30 मि.लि.	नाक में डालने के लिये	100/–	600/–
कर्ण रोगान्तक गोलियाँ	30 गोलियां	कान के समस्त रोगों पर	100/–	600/–

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

रत्नाकार की अन्य पेटेन्ट दवायें

नाम दवा	वजन या तादाद	फायदा	1 पैकेट का मूल्य	6 पैकेट का मूल्य
कर्ण रोगान्तक तैल	7 मि. लि.	कान बहना व अन्य कर्ण रोगों पर	50/–	300/–
सिर दर्द का तैल	30 मि. लि.	सिर दर्द के लिये	100/–	600/–
ब्राम्ही वटी	60 गोलियां	दिमागी ताकत के लिये	100/–	600/–
महा योगराज गुग्गल	30 गोलियां	80 प्रकार के बात रोगों पर	150/–	900/–
चन्द्रप्रभा वटी	30 गोलियां	मूत्र विकार व ताकत के लिए	150/–	900/–
सन्मति टूथ पावडर	50 ग्राम	पायरिया व दन्त रोग नाशक	60/–	360/–
रत्नाकर केश निखार तैल	30 मि.लि.	बाल बढ़ाने व बाल टूटने के लिये	100/–	600/–
परगेटिव पिल्स	60 गोलियाँ	पेट साफ करने के लिये	60/–	360/–
रत्नाकर अमृत काढ़ा	10 खुराक	इम्युनिटी टॉनिक	100/–	600/–

आर्डर फोन द्वारा या Whatsapp द्वारा भेंजें । Whatsapp No. 09412170449 मो0 8630774379

महिला–रोग के लिये रोगी जांच फार्म

1. रोगिणी का नाम
2. विवाह हो गया है या नहीं
3. संतान है या नहीं
4. कौन–कौन सी तकलीफें हैं जिनका इलाज कराना है
5. आपके पेट और भूख की क्या हालत है पाचन ठीक होता है
6. सामान्य आहार क्या है (मांसाहारी या शाकाहारी)
7. कभी कोई गर्भ तो नहीं गिरा
8. मासिक धर्म के दिनों में या पहले दर्द तो नहीं होता
9. गुप्त स्थान से सफेद या लाल लस्सेदार पानी तो नहीं आता
10. इस समय गर्भ है क्या ? यदि है तो कितने दिनों का
11. पति को शीघ्रपतन का रोग तो नहीं
12. पति को कभी गर्मी या सुजाक तो नहीं हुआ
13. कमर या उसके नीचे पेडू में दर्द तो नहीं होता
14. मासिक धर्म कितने दिनों में होता है तथा कम होता है या ज्यादा
15. रोग की जांच कर उचित इलाज भेज दिया जाय या नहीं

नोट– अन्य विवरण जो लिखना हो वो अलग कागज पर लिखकर भेंजें ।

यदि कोई टेस्ट कराया हो तो उसकी रिपोर्ट Whatsapp पर भेज दें । **हस्ताक्षर**

आर्डर – राजवैद्य जी साहब मुझे आपका वी.पी.आर्डर फार्म मिला जो मैं भरकर भेज रही हूँ ।

अपना पूरा पता व फोन नं. व Whatsapp नं. फार्म के साथ साफ–साफ अलग कागज पर लिखें। इस फार्म को भरकर हमारे Whatsapp नं. 9412170449 पर भेज दें । राजवैद्य जी आपसे स्वयं सम्पर्क करेंगे ।

राजवैद्य **भूपेन्द्र कुमार जैन, रजिस्टर्ड रत्नाकर औषधालय**
(सब्जी मंडी, पक्की सराय), इटावा (उ0 प्र0) पिन कोड 206001
Mob. : 8630774379, Whatsapp No. 9412170449

पुरूष–रोग के लिये रोगी जांच फार्म

1. रोगी का नाम
2. विवाह हो गया है या नहीं
3. संतान है या नहीं
4. कौन–कौन सी तकलीफें है जिनका इलाज कराना है
5. आपके पेट और भूख की क्या हालत है पाचन ठीक होता है
7. स्वप्नदोष तो नहीं होता और यदि होता है तो कितने दिनों के बाद
8. पेशाब के साथ धातु तो नहीं आती
9. वीर्य गाढ़ा है या पतला
10. उत्तेजना के समय इंद्रिय में पूरा तनाव होता है या नहीं
11. संभोग के बाद कमजोरी तो नहीं होती
12. शीघ्रपतन का रोग तो नहीं
13. यदि छोटी उम्र में वीर्य नष्ट किया है तो किस प्रकार से
14. कभी सुजाक या गर्मी (आतशक) तो नहीं हुआ
15. गुप्त इंद्रिय में टेड़ापन या नसों में खरावी तो नहीं है
16. रात–दिन में कितने बार पेशाब करते हैं कभी जलन भी होता है
17. रोग की जांच कर उचित इलाज भेज दिया जाये या नहीं

नोट–अन्य विवरण जो लिखना हो अलग कागज पर लिखकर भेजें ।

यदि कोई टेस्ट कराया हो तो उसकी रिपोर्ट Whatsapp पर भेज दें ।

हस्ताक्षर

आर्डर – राजवैद्य जी साहब मुझे आपका वी.पी.आर्डर फार्म मिला जो मैं भरकर भेज रहा हूँ ।

अपना पूरा पता व फोन नं. व Whatsapp नं. फार्म के साथ साफ–साफ अलग कागज पर लिखें। इस फार्म को भरकर हमारे Whatsapp नं. 9412170449 पर भेज दें । राजवैद्य जी आपसे स्वयं सम्पर्क करेंगे ।

राजवैद्य भूपेन्द्र कुमार जैन, रजिस्टर्ड रत्नाकर औषधालय

(सब्जी मंडी, पक्की सराय), इटावा (उ0 प्र0) पिन कोड 206001

Mob. : 8630774379, Whatsapp No. 9412170449

REGAIN

VIGOUR

AND VITALITY

ENJOY HAPPY MARRIED LIFE

Some people fell ashamed and hesitate to disclose their disease and thus ruin their health, By getting right treatment at the right time. Sorrows may come into joys. If you are suffering from such disease which you hesitate to tell others. You can rely upon us for proper guidance. Ayurveda syste of treatment has treasure to give pleasure for healthy married life. For the purpose consult us personally or write your case in confidence.

ALL CORRESPONDANCE IS KEPT
STRICTLY CONFIDENTIAL

RAJVAIDYA

BHUPENDRA KUMAR JAIN

Regd. Ratnakar Aushadhalaya
Sabji Mandi, Pakki Sarai, Etawah
(U.P.) - 206001
Mob. : 8630774379
Whatsapp No. 9412170449